Total No. of Printed Pages : 4 Roll No.....

BY-304

METHODS OF COMPLIMENTARY THERAPHY-1

पूरक चिकित्सा पद्धतियाँ-1

Bachelor of Yoga and Naturopathy (BYN-12/16/BAY-17)

Third Year Examination, 2020

Time Allowed : 2 Hours Maximum Marks : 80

Note: This paper is of Eighty (80) marks divided into Two (02) sections A and B. Attempt the question contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट: यह प्रश्न पत्र अस्सी (80) अंकों का है। जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल कीजिए।

Section-A/खण्ड-'क'

(Long Answer Type Questions/दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section-'A' contains Five (05) Long answer type questions of Twenty (20) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only. (2×20=40)

नोट : खण्ड-'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain introduction and importance of Complementary therapy.

   पूरक चिकित्सा का अर्थ एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

2. Explain the historical development of Acupressure.

   एक्यूप्रेशर के ऐतिहासिक विकास का वर्णन कीजिए।

3. Explain the various types of Magnet therapy.

   चुम्बक चिकित्सा के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

4. Explain the historical development of Reki therapy.

   रेकी चिकित्सा के ऐतिहासिक विकास का वर्णन कीजिए।

5. Explain the meaning, need and importance of Pranic healing.

   प्राणिक हीलिंग का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

Section-B/खण्ड-ख

(Short answer type questions/ लघु उत्तरीय प्रश्न)

Note: Section-B Contains Eight (08) Short answer type questions of Ten (10) marks each. Learners are required to answer any four (04) questions only. (4×10=40)

नोट: खण्ड-'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the limitations of Complementary therapy.

   पूरक चिकित्सा की सीमाओं का वर्णन कीजिए।

2. Explain the Acupressure therapy.

   एक्यूप्रेशर चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

3. Explain the methods of Acupuncture.

   एक्यूपंक्चर की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।

4. Explain the limitations of Magnet therapy.

चुम्बक चिकित्सा की सीमाओं का वर्णन कीजिए।

5. Explain the technique of Reki therapy.

रेकी चिकित्सा की विधि समझाइए।

6. Explain Reki therapy in any one of the disease.

किसी एक रोग में रेकी चिकित्सा समझाइए।

7. Explain Pranic therapy in any one of the disease.

किसी एक रोग में प्राणिक चिकित्सा का वर्णन कीजिए।

8. Explain various chakras in Pranic therapy.

प्राणिक चिकित्सा में विभिन्न चक्रों को समझाइए।

****